प्रकाशनार्थ

14 जुलाई 2024, गोरखपुर।

मदद सेवा संस्था, एवं मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर में गुरू श्री गोरक्षनाथ ब्लड बैंक के संयुक्त तत्वधान में एक रक्तदान शिविर का आयोजन जटाशंकर स्थित गुरूद्वारा परिसर में किया गया।

मदद सेवा संस्था, के संयोजक इं. अभिषेक कुमार सिंह, अध्यक्ष इं. गौरव शर्मा एवं संरक्षक डॉ0 राजेश चन्द्र गुप्ता "विक्रमी " ने लोगों को रक्तदान के विषय में फैली भ्रांतियों को दूर किया। इससे किसी भी प्रकार की कमजोरी एवं कमी नही होती हैं। अपितु उपरोक्त लाभ स्वंय के शरीर को मिलता है। डॉ0 राजेश चन्द्र गुप्ता "विक्रमी " जी ने लोगों के मन में चल रही जिज्ञासा को दूर किया तथा अभिषेक कुमार सिंह जी ने सभी के उत्सुक्ता एवं प्रश्नों का उत्तर दिया। इन सदस्यों ने आगे बताया की अपने मन से हर-तरह की शंका को निकालते हुए नियमित रक्तदान करें। एक स्वस्थ व्यक्ति हर तीन माह पश्चात् सुरक्षा पूर्वक रक्तदान कर सकता है। यह कोई आवश्यक नहीं हैं कि जब कोई अपना परिजन अस्वस्थ हो जाए और उसे रक्त की आवश्यकता हो तभी रक्तदान करें । अपितु हर 3 माह अथवा 6 माह बाद किसी भी ब्लड बैंक में जाकर स्वरक्तदाता के रूप में दान करें। ब्लड बैंक प्रभारी डॉ0 अवधेश अग्रवाल ने बताया की भारतवर्ष में 1 वर्ष में लगभग 1 करोड 50 लाख रक्त युनिट की आवश्यकता होती है। तथा आपुर्ति केवल इसकी आधी ही हो पाती है। जिसके कारण या तो व्यवसायिक रक्तदाता के चंगुल में फस जाता है अथवा काल के गाल में समा जाता है इन आकड़ों को देखते हुए जनमानस को चाहिए की वह नियमित रक्तदान करके इस त्रासदी को रोकने में समाज तथा राष्ट्र को समृध्द करने में अपने अहम भुमिका का निर्वहन करें। यह एक सर्वोत्तम पुण्य का काम हैं इसलिए कहा गया है रक्तदान महादान ।

इस कार्यक्रम में समाज के प्रतिष्ठित एवं प्रवुध्द वर्ग क लोग एवं जनमानस के तमाम लोग पत्रकार बंधु एवं मदद सेवा संस्था के सदस्य उपस्थित रहें।

इस रक्तदान शिविर में अभिषेक कुमार सिंह, अविनाश कुमार गौतम, रवि कुमार, हर्ष सिंह, अमन, तेज सिंह लक्की, अशिष नन्दन सिंह के साथ लगभग 30 लोगों ने रक्तदान किया ।

इस रक्तदान को सफल बनानें में ब्लड बैंक अधिकारी, टेक्निशियन, एवं कर्मचारीयों का महत्वपुर्ण योगदान रहा।